तुहीरामका-वंश परिचय

अग्र वंशावली - प्रकाशित पुस्तक विवरणिका

डॉ हर्ष वर्धन गोयल (सिंगापुर)

(अग्रवाल वंशावली शोध परिषद्)

[अग्र वंशावली - प्रकाशित पुस्तक विवरणिका श्रृंखला में विभिन्न स्रोत्रों से प्राप्त अग्रवाल वंशावली पर प्रकाशित पुस्तकों का विवरण प्रस्तुत किया जायेगा यदि आपके पास भी किसी पुस्तक की जानकारी है तो agrvanshawali@gmail.comपर संपर्क करें - अग्रवाल वंशावली शोध परिषद्]

पुस्तक विवरण:

पुस्तक शीर्षक: तुहीरामका-वंश परिचय

लेखक :- कवि० महामहोपाध्याय पुरुषोत्तमदास तुहीरामका, प्रभाकर, साहित्यरत्न, साहित्यालंकार, विद्यावाचस्पति

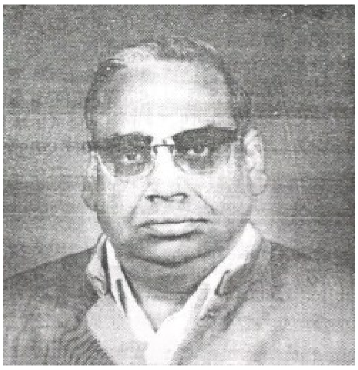

[श्री पुरुषोत्तमदास तुहीरामका]

शोधकर्त्ता: श्री स्वतन्त्र कुमार गोयल एडवोकेट (बी.ए., एल.एल.बी.)

सम्पादक: श्री राजेश कमार जैन एम.ए., पी.एच.डी. (शोधरत)

संकलनकर्त्ता: श्री कुलभूषण तुहीरामका एम.काम.

प्रकाशक: हरियाणा राज्य इतिहास समिति, भिवानी

प्रकाशन तिथि: 20 सितम्बर, 1988

मूल्य: सचेष्ट वंश संगठन

कुल पृष्ठ : 101

गोत्र: गोयल

[GO00058] स्व श्री तुहीराम (गोत्र: गोयल तुहीरामका परिवार) की वंशावली श्री पुरषोत्तम राम तुहीरामका की पुस्तक तुहीरामका वंश परिचय श्री पवन गोयल और श्री विनोद गोयल नम्बरदार जी के सहयोग से प्राप्त हुई

यह पुस्तक आदरणीय, तपोनिष्ठ, सुधि चिन्तक, काव्य-मर्मज्ञ,महामना सेठ पुरुषोत्तम दास जी तुहीरामका द्वारा वर्षों पुरानी वंश परिचय की योजना का साकार रूप हैं। उनके अनुसार

ग्रन्थ का सच्चा ध्येय अग्र वंशजों के उत्तराधिकारी अपनी परवर्ती पीढ़ियाँ से प्रेरणा लेती हुई समृद्ध एवम् यशस्वी बनाकर संसार में मानप्रतिष्ठा अर्जित करती हुई जीवन-संग्राम में सफलता का वरण कर वंश-कीर्त्ति रूप मस्तक को और ऊँचा उठा पाएँ

यह पुस्तक कीर्त्ति-ध्वज रूप वंश-पुरुषों के जीवन-वृत्त और कार्यों की सामग्री को बड़े यत्न और शोध से जुटाकर सहस्त्रों वर्षों के इतिहास का संधान, प्राप्त तथ्यों का पूर्वापर रूप में संयोजन, घटनाओं और विवरणों प्रस्तुत किया गया है लगभग छह सौ सत्तर वर्ष पूर्व सन् 1318 ई० में श्री जैद्दे (श्री जयदेव) नामक एक महान् तपस्वी एवम् यशस्वी पुरुष हरियाण के तिगड़ाना ग्राम हुए, आपके छह पुत्र हुए। इनमें श्री लौद्दे

(श्री लवदेव) नाम के पुत्र अतिकुशल, समझदार, नीति-निपुण, कर्मठ व्यक्ति थे। आपके वंशजों ने लगभग सन् 1412-13 ई० के आसपास वर्तमान आगरा के उत्तर-पश्चिम दिशा में लगभग पचास कोस की दूरी पर एक जागीर स्थापित कर ली थी

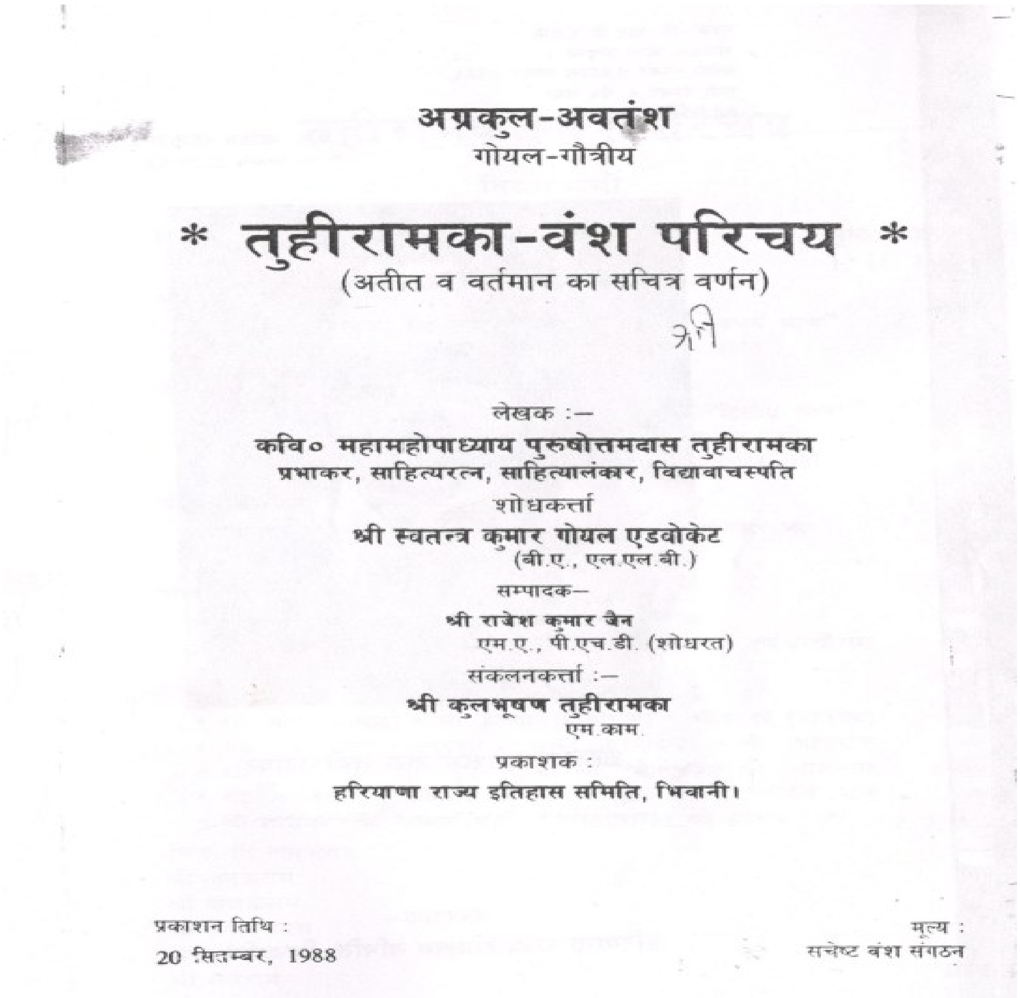

अग्रकुल-अवतंश
गोयल-गौत्रीय

* तुहीरामका-वंश परिचय *

(अतीत व वर्तमान का सचित्र वर्णन)

श्री

लेखक :—
कवि० महामहोपाध्याय पुरुषोत्तमदास तुहीरामका
प्रभाकर, साहित्यरत्न, साहित्यालंकार, विद्यावाचस्पति

शोधकर्त्ता
श्री स्वतन्त्र कुमार गोयल एडवोकेट
(बी.ए., एल.एल.बी.)

सम्पादक—
श्री राजेश कुमार जैन
एम.ए., पी.एच.डी. (शोधरत)

संकलनकर्त्ता :—
श्री कुलभूषण तुहीरामका
एम.काम.

प्रकाशक :
हरियाणा राज्य इतिहास समिति, भिवानी।

प्रकाशन तिथि :
20 सितम्बर, 1988

मूल्य :
सचेष्ट वंश संगठन

इस परिवार में दानवीर सेठ श्री नानक राम जी तिगड़ानियाँ के पाँच पुत्र हुए-श्री बालक राम, गोयल, श्री ज्योतराम गोयल, श्री राम चन्द्र गोयल, श्री सदाराम गोयल और श्री राम भगत गोयल।इनके पुत्रों का वंश आज भी भिवानी, दिल्ली, कलकत्ता, धरान, रोहतक,हिसार, बम्बई, मद्रास, कानपुर, शाहजहाँपुर, पीलीभीत, मुजफ्फरपुर (बिहार), राँची, फिरोजपुर (पंजाब), सूरत, अहमदाबाद, आसाम आदि अनेक नगरों में रह रहा है। इस परिवार का निकास तिगड़ाना ग्राम से होने के कारण तिगड़ानिये कहलाते हैं। इसकी कुछ शाखा बोदिए, तोल्या, कल्लूरामके तुहीरामके आदि अनेको नाम से भी सम्बोधित किये जाते हैं।

कुँई लाला नानक राम जागीरदार

मन्दिर के निकट छतरियों के रूप में निर्मित 'विशाल धर्मशाला'

38 वर्ष पूर्व प्रकशित इस पुस्तक में तत्कालीन परिवारों का सचित्र विवरण है इस परिवार की कुछ जन प्रयास करें तो इसका नविन संवर्धित संस्करण प्रकाशित किया जा सकता है